

न्यायालय राजस्व मण्डल, म०प्र० ग्वालियर

समक्ष

एम०के०सिंह

सदस्य

निगरानी प्रकरण क्रमांक 1886-एक/2014 - विरुद्ध आदेश  
दिनांक 5-5-2014- पारित द्वारा - अपर आयुक्त, चम्बल  
संभाग, मुरैना - प्रकरण क्रमांक 23/2012-13 निगरानी

राजेश कुमार पुत्र सालिगराम  
ग्राम जैतपुरा (असवार)  
तहसील लहार जिला भिण्ड।

---आवेदक

विरुद्ध

- 1- श्रीमती कल्पना पत्नि स्व. मधुसूदन
- 2- कु. पलक उर्फ जानू नावालिग  
पुत्री मधुसूदन सरपरस्त माता  
श्रीमती कल्पना

निवासीगण ग्राम जैतपुरा(असवार)  
तहसील लहार जिला भिण्ड

---अनावेदकगण

(आवेदक के अभिभाषक श्री एस०के०अवस्थी)

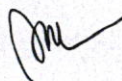
(अनावेदकगण के अभिभाषक श्री रामसेवक शर्मा)

आ दे श

(आज दिनांक 19-1-2016 को पारित)

यह निगरानी कलेक्टर जिला भिण्ड द्वारा प्रकरण क्रमांक  
23/2012-13 निगरानी में पारित आदेश दिनांक 5-5-2014  
के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के  
अंतर्गत प्रस्तुत हुई है।

2/ प्रकरण का सारौंश यह है कि मृतक मधुसूदन के नाम

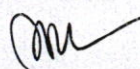


मौजा जेतपुरा (असवार) स्थित भूमि सर्वे नंबर 922 रकबा 0.15 है. में से भाग 2/5 थी। अनावेदकगण द्वारा पटवारी हलका नंबर 25 को नामान्तरण का आवेदन दिया, जिस पर आवेदक द्वारा आपत्ति करने पर तहसील न्यायालय में कार्यवाही हेतु प्रस्ताव दिया गया। तहसीलदार लहार ने प्रकरण क्रमांक 215/11-12 अ-6 दर्ज कर पक्षकारों की सुनवाई प्रारंभ की। सुनवाई के दौरान आवेदक ने मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 32 के अंतर्गत आपत्ति प्रस्तुत कर वादोक्त भूमि एवं उस पर बना मकान स्वयं द्वारा कय किये जाने का उल्लेख कर नामान्तरण की मांग की। तहसीलदार ने अंतरिम आदेश दिनांक 1-9-2012 से आवेदक की आपत्ति इस आधार पर निरस्त कर दी, कि वादग्रस्त भूमि स्व. मधुसूदन के नाम पर है। इस आदेश के विरुद्ध आवेदक ने कलेक्टर भिण्ड के समक्ष निगरानी क्रमांक 23/12-13 प्रस्तुत की। कलेक्टर भिण्ड ने आदेश दिनांक 5-5-14 से निगरानी प्रचलनशील न पाने से अग्राह्य कर दी। इसी आदेश के विरुद्ध यह निगरानी है।

3/ निगरानी मेमो में उठाये गये बिन्दुओं पर उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्क सुने तथा अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख का अवलोकन किया गया।

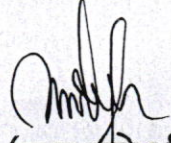
4/ उभय पक्ष के अभिभाषकों के तर्कों पर विचार करने एवं अधीनस्थ न्यायालय के अभिलेख के अवलोकन से परिलक्षित है कि कलेक्टर भिण्ड ने आदेश दिनांक 5-5-14 से निगरानी इस आधार पर अग्राह्य की है क्योंकि वादग्रस्त भूमि एवं उस पर निर्मित भवन मृतक मधुसूदन के नाम है जो उसके द्वारा कय की गई संपत्ति है पैत्रिक संपत्ति नहीं है। हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 1956 की धारा 9 में प्रावधान है कि पति के देहान्त

R



के वाद उसकी पत्नि वर्ग एक की उत्तराधिकारी है। इसलिये तहसीलदार तहसीलदार लहार ने प्रकरण क्रमांक 215/11-12 अ-6 मे पारित आदेश दिनांक 1-9-12 से आवेदक का आपत्ति आवेदन निरस्त किया है। फलतः तहसीलदार द्वारा पारित अंतरिम आदेश दिनांक 1-9-12 एवं कलेक्टर भिण्ड द्वारा पारित आदेश दिनांक 5-5-14 में निकाले गये निष्कर्ष समरूप हैं जिसमें किसी प्रकार का दोष दिखाई नहीं देता।

5/ उपरोक्त विवेचना के आधार पर निगरानी सारहीन पाये जाने से निरस्त की जाती है तथा कलेक्टर भिण्ड द्वारा निगरानी प्रकरण क्रमांक 23/12-13 में पारित आदेश दिनांक 5-5-14 उचित पाये जाने से यथावत् रखा जाता है।

  
(एम०के०सिंह)

सदस्य  
राजस्व मण्डल  
मध्य प्रदेश ग्वालियर